तोहफ़ों की फ़ैक्टरी: त्योहारों का सच्चा अर्थ

त्योहारों का एक मिशन, यह जानने के लिए कि तोहफ़ा देना दूसरों के बारे में सोचना और साथ पल बिताना भी है।



उम्र: 2-6 साल

समय: 20-30 मिनट (थोड़ा-थोड़ा करके कई बार में कर सकते हैं)

हमें चाहिए: यह शीट, रंगीन पेंसिलें, काग़ज़ और घर में मौजूद कुछ सामान।



तोहफ़ों की फ़ैक्टरी को हमारी मदद चाहिए!

Cleo & Cuquin के एपिसोड **"क्रिसमस का दिन"** में सांता क्लॉज़ की फ़ैक्टरी ख़राब हो जाती है और Cleo को एक आइडिया आता है: एल्फ़ बनकर तोहफ़े तैयार करना और क्रिसमस को बचाना!

अब हमारी बारी है। चलो जानें कि तोहफ़ा देने के कई तरीक़े हैं और हर तोहफ़ा ख़रीदना ज़रूरी नहीं होता।

1 तोहफ़े को ख़ास क्या बनाता है?

तोहफ़े पाकर हम सबको खुशी होती है! पर क्या तुमने कभी सोचा है कि किसी तोहफ़े को ख़ास क्या बनाता है?



किस तोहफ़े से तुम्हें सबसे ज़्यादा खुशी हुई? क्यों?



तुम्हें क्या लगता है, तोहफ़ा देने वाले ने क्या सोचा होगा?



तुम्हें क्या ज़्यादा पसंद है: एक साथ कई तोहफ़े खोलना या हर एक से थोड़ी देर खेलना?

कोई एक सही जवाब नहीं है। हर तोहफ़ा अलग तरह की खुशी दे सकता है।

ऐसे तोहफ़े का चित्र बनाओ जो तुम्हें प्यार से याद है।

2 हम किसे सरप्राइज़ देना चाहते हैं?

अपनी फ़ैक्टरी में हम किसी ख़ास व्यक्ति के लिए कुछ तैयार करेंगे।

वह कौन होगा?

उस व्यक्ति का चित्र बनाओ या किसी बड़े की मदद से उसका नाम लिखो।

3 हम कौन-सा तोहफ़ा बना सकते हैं?

सोचो कि तुम उस व्यक्ति के लिए क्या तैयार कर सकते हो। उसे ख़रीदना ज़रूरी नहीं: ज़रूरी है उसके बारे में सोचकर चुनना।

बना सकते हो:



एक चित्र या कार्ड।



छोटा-सा कोई मॉडल।



साथ खेलने का न्योता।



घर के सामान से बना सरप्राइज़।



तुम्हारा कोई और आइडिया!

अपने तोहफ़े का चित्र बनाओ।

4 इसे बनाने के लिए क्या चाहिए?

नन्हे एल्फ़, चलो काम शुरू करें!

हमें कौन-सा सामान चाहिए?

कौन हमारी मदद कर सकता है?

हम ख़ुद क्या कर सकते हैं?

चलो बनाएँ! तैयार हो जाए, तो यहाँ उसका चित्र बनाओ।

5 और अगर हम कुछ ऐसा दें जो पैक न हो सके?

हम अपना समय और साथ के अनुभव भी तोहफ़े में दे सकते हैं।

तुम उस व्यक्ति के साथ क्या करना चाहोगे?

- ☐ साथ में कहानी पढ़ना।
- ☐ रसोई में कुछ स्वादिष्ट बनाना।
- ☐ कोई रोमांचक कहानी गढ़ना।
- ☐ सैर पर या पार्क जाना।
- ☐ उसका पसंदीदा खेल खेलना।
- ☐ गले लगाना, अगर दोनों का मन हो।

अपना प्लान लिखो:

मिशन पूरा हुआ!

तोहफ़ों की फ़ैक्टरी का काम पूरा हो गया!

आज हमने जाना कि हम चीज़ें, अनुभव और साथ बिताए पल तोहफ़े में दे सकते हैं। और यह भी कि कुछ पाने की खुशी के साथ, किसी के बारे में सोचने और उसके लिए कुछ प्यारा तैयार करने की भी अपनी खुशी है।



परिवार के साथ बाँटने के लिए एक सवाल: बिना पैक किया गया कौन-सा तोहफ़ा आपको सबसे प्यार से याद है?

बड़ों के लिए एक नोट: बच्चे का साथ दें, पर उससे सारी गतिविधियाँ पूरी करने या कोई तय जवाब ढूँढने की माँग न करें। अगर वह बहुत छोटा है, तो आप सिर्फ़ एक या दो मिशन चुन सकते हैं। वह इशारा करके, बोलकर, चित्र बनाकर या कुछ विकल्पों में से चुनकर हिस्सा ले सकता है। ज़रूरी यह है कि उसे जिन चीज़ों से खुशी मिलती है उन पर बात करें और उसे यह समझने में मदद करें कि तोहफ़े की क़ीमत उस भावना से भी होती है जिससे वह तैयार किया गया है, सिर्फ़ उसके आकार, दाम या संख्या से नहीं।